# Madhya Pradesh Medical Science University, Jabalpur

**BAMS 1st Prof. Examination Sep-2023**

**Subject- Padarth Vigyan Evam Ayurveda Ka Itihaas (New Scheme)**

**Paper-I**

**Paper Code- 23AA0000101401**

**Time:3 Hours** **Maximum Marks:100**

नोट:-

1. सभी प्रश्न करना अनिवार्य है।
2. प्रश्नों का आवश्यकतानुसार सचित्र वर्णन करें।
3. प्रश्न पत्र के खाली स्थान पर कुछ भी न लिखें अन्यथा अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।
4. विद्यार्थी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी अथवा अंग्रेजी दोनों भाषाओं में लिख सकते हैं।

**प्र.1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न–** **(20×01=20)**

1- सत्यवादी का गुण है
(अ) दुखायु (ब) सुखायु (स) हितायु (द) अहितायु

2- वेदान्त दर्शन के रचयिता
(अ) शंकराचार्य (ब) कणाद (स) वेदव्यास (द) बृहस्पति

3- एकद्रव्यः कर्म गुणः कारणं समवायी यत् तद्–
(अ) गुण (ब) द्रव्य (स) समान्य (द) समवाय

4- अनुबन्ध का पर्याय है
(अ) आयु (ब) शरीर (स) आत्मा (द) आयुर्वेद

5- सभी तंत्रों द्वारा स्वीकृत सिद्धांत।
(अ) सर्वतंत्र सिद्धांत (ब) अभ्युपगम सिद्धांत
(स) प्रतितंत्र सिद्धांत (द) अधिकार सिद्धांत

6- योग दर्शन के बारे में हैं
(अ) अष्टांग योग (ब) चित्तवृत्ति निरोध
(स) A और B दोनों (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

7- विशेषगुणों की संख्या
(अ) 10 (ब) 20 (स) 6 (द) 5

8- किस दर्शन में सृष्टि उत्पत्ति का वर्णन है
(अ) जैन दर्शन (ब) बौद्ध दर्शन (स) सांख्य दर्शन (द) योग दर्शन

9- रसनेन्द्रिय ग्राह्य गुण है
(अ) एकाधिक (ब) रूप (स) शब्द (द) स्वाद

10- प्रतिकूल वेदनीयम् है
(अ) हित (ब) सुख (स) दुख (द)अर्थ

11- मांस के सेवन से हमारे शरीर में मांस धातु बढ़ती है। यह कथन
(अ) विशेषज्ञ का (ब) गुण का (स) सामान्य (द) समवाय

12- हेमाद्रि के मत के अनुसार लंघन कर्म के लिए कौन सा गुण उत्तरदायी है
(अ) सर (ब) लघु (स) शीत (द) उष्ण

13- आतुरस्यविकारप्रशमनम् है आयुर्वेद का-
(अ) परिभाषा (ब) आयुर्वेद का उद्देश्य
(स) आयु की परिभाषा (द) आयुर्वेद का प्रभाव

14- किसी भी वस्तु के नष्ट होने के बाद उसका अभाव कहलाता है
(अ)प्राग्भाव (ब) प्रध्वंसाभाव (स)अत्यन्ताभाव (द) अन्योन्याभाव

15- सतत क्रिया का संबंध है
(अ) अभ्यास (ब) युक्ति (स) परत्व (द) संस्कार

16- विचार्य है
(अ) मनो विषय (ब) मनोविकार (स) मनोगुण (द) मनोकर्म

17- वृद्धि करण है
(अ) विशेष (ब) सामान्य (स) समवाय (द) कर्म

18- मिट्टी और घट के बीच संबंध.

(अ) संयोग (ब) विभाग (स) समवाय (द) सामान्य

19- योजना है -

(अ) संस्कार (ब) विभाग (स) युक्ति (द) विकार

20- चलनात्मकम् है -

(अ) सत्त्व (ब) वियोग (स) संस्कार (द) कर्म

2. लघुउत्तरीय प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न करना अनिवार्य है। (08×05=40)

a. त्रिसूत्र आयुर्वेद की व्याख्या कर आयुर्वेद के नित्यत्व का वर्णन करें।

b. दर्शन का वर्गीकरण कर आंतिरक और आस्तिक और नास्तिक दर्शन में भेद लिखें।

c. वायु महाभूत का वर्णन कर गुण एवं कर्म लिखें।

d. परादि गुणों का वर्णन करें।

e. कर्म के प्रकारों का वर्णन करें।

f. आध्यात्मिक कर्मों का स्वास्थ्य ओर व्याधि से संबंध स्पष्ट करें।

g. आयुर्वेद ओर दर्षन के अनुसार विषेष को स्पष्ट करें।

h. अभाव और उसके प्रकारों पर टिप्पणी करें।

3. दीर्घउत्तरीय प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न करना अनिवार्य है। (04×10=40)

a. आयुर्वेद को परिभाषित करें और इसके वारे में लिखें:
   1. आयु, पर्यायवाची एवं प्रकार
   2. सिद्धांत के प्रकार

b. काल और दिषा का विस्तृत वर्णन करें।

c. वैषेषिकदर्षन की व्याख्या करें।

d. गुण के लक्षण सहित लिखिए तथा गुण की प्रधानता की व्याख्या कीजिए।